The Research Dialogue

An Online Quarterly Multi-Disciplinary
Peer-Reviewed / Refereed Research Journal
ISSN: 2583-438X
Volume-2, Issue-1, April-2023
www.theresearchdialogue.com

अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन

एकता सागर
शोध अध्येत्री
शिक्षक– शिक्षा विभाग
बरेली कॉलेज, बरेली
ई–मेल. ektasagar301@gmail.com

प्रो0 (डा0) आर0के0 आज़ाद
प्राचार्य
एस.एस.कालेज,शाहजहांपुर, उ0प्र0
ई–मेल.azadrkcb@gmail.com

सारांश :-

प्रस्तुत अध्ययन में प्रदत्तो का संकलन सर्वेक्षण विधि द्वारा किया गया है। ऑकड़ों के विश्लेषण हेतु 'टी' परीक्षण का प्रयोग किया गया है। अध्ययन में अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि का का अध्ययन किया गया है उद्देश्यों के रूप मे पुरुष शिक्षकों व महिला शिक्षिकाओं की संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन किया गया हैं। प्रस्तुत अध्ययन कार्य में ऑंकड़ों के संकलन सर्वेश हेतु सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन कार्य में ऑकड़ों के संकलन हेतु सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन कार्य में समष्टि का आश्य मुरादाबाद जनपद के सभी अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत् सभी शिक्षकों से है। अध्ययन के समस्त अनुदानित व स्ववित्तपोषित महाविद्यालय समष्टि हैं तथा अध्ययन के लिये चयनित शिक्षक न्यादर्श हैं। संवेगात्मक बुद्धि के मापन हेतु संवेगात्मक बुद्धि परीक्षण रूकैया जेनूद्दीन तथा अर्जुन अहमद प्रश्नावली का प्रयोग किया गया है। ऑंकड़ों के विश्लेषण हेतु 'टी' परीक्षण का प्रयोग किया गया है। निष्कर्ष के रूप में पाया गया कि अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत् शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक अन्तर नहीं है अर्थात् अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों के शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि में समानता है।

प्रस्तावना (Introduction)–

संवेगात्मक बुद्धि की प्रासंगिकता, संगठनात्मक विकास एवं प्रगतिशील समाज में निरन्तर उन्नति पर है। संवेगात्मक बुद्धि स्वयं को जानने की एक प्रक्रिया है यह वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन को सफल बनाता संवेग हैं मानव व्यवहार के प्रेरक होते हैं। संवेगों के कारण ही शिक्षक अपने को नियन्त्रण में रख पाते हैं। बुद्धि व्यक्ति की जन्मजात शक्ति है। उच्च एवं निम्न दुश्चिन्ता रखने वाले रखने वाले किशोर विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि का स्तर उच्च है। प्रायः समानता, स्वप्रेरणा सामाजिक कौशल में सांवेगिक बुद्धि का स्तर शिक्षकों में उच्च पाया जाता है (2015) संवेगात्मक बुद्धि का संप्रत्य मनोवैज्ञानिक डॉ0 डेनियल गोलमैन के द्वारा दिया गया है। संवेगात्मक बुद्धि के माध्यम से शिक्षक की मानसिकता निर्धारित करते हैं। वर्तमान समय में अधिकांश शिक्षक तनाव, चिन्ता व अवसाद, से पीड़ित रहते हैं इसका कारण महाविद्यालयों में छात्रों की बढ़ती जनसंख्या है और यह निरन्तर चिन्ता का विषय बनी हुई है। नई शिक्षा नीति (2020) ने छात्र व शिक्षक दोनों को ही प्रभावित किया है। नई शिक्षा नीति (2020) शिक्षा का व्यवसायीकरण एवं भारतीय संस्कृति पर प्रमुख ध्यान दिया गया है। संवेगात्मक बुद्धि का प्रभाव विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि पर पड़ता है (2016)। रचना सिंह ठाकुर (2018) ने अपने अध्ययन में पाया कि ग्रामीण एवं शहरी महाविद्यालयीन छात्र–छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि में कोई अन्तर नहीं होता है। **अन्नराजा और जोम्स (2005)** ने पाया कि ग्रामीण और शहरी बी० एड० प्रशिक्षु अपने आत्मजागरुकता, सामाजिक कौशल व संवेगात्मक बुद्धि में भिन्न नहीं थे। शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि के अन्तर्गत उनकी स्वयं के प्रति जागरूकता (Awareness of the self & others) अन्तःवैक्तिक प्रबन्ध (Intra-Personal) आदि को सम्मिलित किया जाता है। परिणाम रूवरूप स्पष्ट होता है। कि संवेगात्मक बुद्धि पर शिक्षकों के द्वारा दिये जाने वाले निम्न व्यवहार शामिल रहते हैं। शिक्षक स्वयं को समाज व महाविद्यालय में क्या स्थान देते हैं। शिक्षक को किस स्तर तक का ज्ञान है। शिक्षक के लक्ष्य क्या है।, शिक्षक समस्याओं को किस प्रकार सामना करते हे। शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि उनकी शैक्षिक योजनाओं शिक्षण विधि, शिक्षण सहायक सामग्री व व्यूह रचनाओं सभी को प्रभावित करती है।

अध्ययन का शीर्षक– अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन।

उद्देश्य – अध्ययन निम्नलिखित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिये किया गया है–

1. अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन करना।
2. अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत महिला शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन करना।
3. अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत पुरुष शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पनायें– प्रस्तुत अध्ययन की परिकल्पनाऐ निम्वत् है।

1. अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
2. अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत महिला शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक अन्तर नहीं है।
3. अनुदानित एवं स्वक्तिपोषित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत् पुरुष शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक अन्तर नहीं है।

अध्ययन विधि– शोध अध्ययन में वर्णात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श का चयन– शोध अध्ययन में न्यादर्श के चयन हेतु वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि जोकि एक अस्मभाव्य न्यादर्श प्रविधि है का प्रयोग किया गया है। साथ ही अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के शिक्षकों का चयन आकस्मिक चयन द्वारा किया गया है। जिसमें कुल 100 शिक्षकों का चयन किया गया है।

उपकरण– प्रस्तुत अध्ययन कार्य हेतु सम्बन्धित प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु वर्णनात्मक संख्यिकीय प्रविधियों में मध्यमान एवं मानक विचलन तथा निर्वाचनात्मक सांख्यिकीय प्रविधियों का प्रयोग किया गया है।

विश्लेषण– प्रस्तुत अध्ययन में आकड़ों का विश्लेषण इस प्रकार है।

तालिका 01

अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत् शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि में कोई अन्तर नहीं है।

क्र0सं	**महाविद्यालय के शिक्षक**	**न्यादर्श (N)**	**मध्यमान (M)**	**प्रमाणिक विचलन (S.D)**	**D= (m_1-m_2)**	**'टी' अनुपात**	**सार्थकता स्तर**
1	अनुदानित महाविद्यालयों के शिक्षक	40	44.31	2.28	2.98	5.50	1.98
2	स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के शिक्षक	60	42.35	3.12			

व्याख्या–

प्राप्त 'टी' अनुपात का मान 5.50 हैं। 'टी' अनुपात का सारणी मान 1.98 है। अर्थात् 'टी' अनुपात सारणीमान से अधिक है। अतः कहा जा सकता है कि 0.05 सार्थकता स्तर पर शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है। परिणामतः कहा जा सकता है कि अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत पुरुष शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक अन्तर है।

तालिका 2–

अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयो में कार्यरत महिला शिक्षिकाओं की संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक अन्तर नहीं है–

क्र0सं	महाविद्यालय के शिक्षक	न्यादर्श (N)	मध्यमान (M)	प्रमाणिक विचलन (S.D)	D= (m_1-m_2)	'टी' अनुपात	सार्थकता स्तर
1	अनुदानित महाविद्यालयों के शिक्षक	40	48.29	2.28	5.56	10.08	1.98 df-102
2	स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के शिक्षक	60	39.72	3.25			

व्याख्या–

प्राप्त 'टी' अनुपात का मान 10.08 हैं। 'टी' अनुपात का सारणी मान 1.98 है। अर्थात् 'टी' अनुपात का सारणी मान से अधिक है अतः कहा जा सकता है कि 0.05 सार्थकता स्तर पर शून्य परिपकल्पना अस्वीकृत की जाती है। परिणामतः यह कहा जा सकता है कि अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षक महिला शिक्षिकाओं की संवेगात्मक बुद्धि मे सार्थक अन्तर है।

सारिणी–3

अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत पुरूष शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक अन्तर नहीं है।

क्र0सं	महाविद्यालय के शिक्षक	न्यादर्श (N)	मध्यमान (M)	प्रमाणिक विचलन (S.D)	D= (m_1-m_2)	'टी' अनुपात	सार्थकता स्तर
1	अनुदानित महाविद्यालयों के शिक्षक	40	43.40	3.12	2.61	4.73	1.98 df-147
2	स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के शिक्षक	60	38.71	3.24			

व्याख्या

प्राप्त 'टी' अनुपात का मान 4.73 हैं । 'टी' अनुपात का सारणी मान 1.98 है। अतः कहा जा सकता है कि 0.05 स्तर पर शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है। परिणामतः कहा जा सकता है कि अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत पुरुष शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि मे सार्थक अन्तर है।

अध्ययन के निष्कर्ष– प्रस्तुत शोध अध्ययन के परिणाम इस प्रकार इंगित करते हैं–

1– अनुदान्ति एवं स्वविŸापोषित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत् कार्यरत शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि में समानता है अतः स्पष्ट है कि अनुदानित एवं स्वविŸापोषित महाविद्यालय के शिक्षक स्वयं को अद्यतन रखते हैं अतः स्पष्ट है कि अनुदानित एवं स्वविŸापोषित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की संवेगात्मन बुद्धि भें भिन्नतायें नहीं हैं। इसके निम्न कारण हैं–

(1) शिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम में अधिक से अधिक भाग लेना ।

(2) इन शिक्षकों में विषय के प्रति समझ होती है।

अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित शिक्षक प्रशिक्षक महाविद्यालयों में कार्यरत महिला शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि में समानता है। अतः स्पष्ट होता है कि इन महाविद्यालयों के शिक्षको की संवेगात्मक बुद्धि में भिन्नतायें नहीं है।

इसका कारण यह है कि अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के शिक्षक समय–समय पर विभिन्न प्रकार की सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों में भाग लेते रहते हैं।

अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों मे कार्यरत् पुरुष शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि में समानता है। इसके निम्न कारण है–

1. शिक्षको का प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेना
2. शिक्षकों में आत्मनियन्त्रण व आत्मचेतना को पर्याप्त रूप में विकसित होना।

सुझाव– वर्तमान अध्ययन के सुझाव निम्नलिखित है–

1. अध्ययन में अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के आलावा विश्वविद्यालयों के शिक्षकों पर भी अध्ययन किया जा सकती है।
2. संवेगात्मक बुद्धि को प्रभावित करने वाले कारको का अध्ययन किया जा सकता है।
3. वर्तमान अध्ययन केवल मधुविद्यालयों के शिक्षकों पर किया गया है भावी शोध हेतु शैक्षिक उपलब्धि व संवेगात्मक बुद्धि में सम्बन्ध का अध्ययन किया जा सकता है।
4. वर्तमान अध्ययन मे बी.एड शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन किया गया है। इसके माध्यमिक स्तर के शिक्षको की संवेगात्मक का अध्ययन किया जा सकता है।

सन्दर्भ–

1. शर्मा, आर0ए0 (2011) शिक्षा अनुसन्धान के मूल तत्व एवं शोध प्रक्रिया, आर लाल बुक, डिपो मेरठ।
2. माथुर एस0एस0 (2013) शिक्षा के दार्शनिक तथा सामाजिक आधार, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा।
3. मेयर जे0डी0 क्रूसो, डी0 एवं सॉल्वे, पी0 (2005) इमोशनल इन्टैलीजेन्स मीटस टेडिशनल स्टूडेन्टस फॉर एन इन्टैलीजेन्स, 27,267–268।
4. श्री वास्तव –डी0 एन0 (2005) सांख्यिकीय एवं मापन।
5. भटनागर, आर0पी0 शिक्षा अनुसन्धान विधि एवं विश्लेष्ण लायक बुक डिपो, मेरठ 1988
6. आहूजा.आर.रिसर्च मैथड्स, न्यू देहली, रावत पब्लिशर्स, 2001
7. ब्लेयर जोन्स एवं सिम्पसनः एजुकेशन साईकोलोजी मैकमिलन,1962
8. एल. हंस देवकी नन्दनः सांख्यिकी के सिद्धान्त
9. Bar-On,R (2000) Emotional and Social Intelligence 2.0 San *Diego, C.A Talent smart.*
10. Goleman Daniel (1995), Emotional Intelligence New York NY Bantam.
11. Salovey P.S Mayer J.D (1990) Emotional Intelligence, Imagination, Cognition and personality 9,185-211
12. Goleman D.(1998). Working with emotional Intelligence New York NY Bantam
13. www.shodhganga.com
14. https://www.slideshare.net/Marcobertolini/cmooc-versus-xmooc

THE RESEARCH DIALOGUE

An Online Quarterly Multi-Disciplinary
Peer-Reviewed / Refereed Research Journal
ISSN: 2583-438X
Volume-2, Issue-1, April-2023
www.theresearchdialogue.com
Certificate Number-April-2023/39

Certificate Of Publication

This Certificate is proudly presented to

एकता सागर एवं प्रो० (डा०) आर०के० आज़ाद

for publication of research paper title

अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन

Published in 'The Research Dialogue' Peer-Reviewed / Refereed Research Journal and

E-ISSN: 2583-438X, Volume-02, Issue-01, Month April, Year-2023.

Dr.Neeraj Yadav	**Dr.Lohans Kumar Kalyani**
Executive Chief Editor	**Editor-in-chief**

Note: This E-Certificate is valid with published paper and the paper must be available online at www.theresearchdialogue.com